भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण

प्रेस विज्ञप्ति

तिरुपति हवाईअड्डे पर विमान आवागमन में और तेजी लाने के लिए वहाँ विश्वस्तरीय अवसंरचना उपलब्ध करा के भारतीय विमानत्तन प्राधिकरण ने पूरी की एक पावन प्रतिबद्धता

तिरुपति हवाईअड्डे पर नए एकीकृत टर्मिनल भवन का उद्घाटन दिनांक 22 अक्टूबर, 2015 को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आन्ध्र प्रदेश के माननीय राज्यपाल श्री ई.एस. एल. नरसिम्हन, आन्ध्र प्रदेश के माननीय मुख्य मंत्री श्री नारा चंद्रबाबू नायडू, माननीय केन्द्रीय नागर विमानन मंत्री श्री पी. अशोक गजपति राजू एवं केन्द्र तथा राज्य सरकार के अन्य उच्चाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में किया जा रहा है।

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर, 2015 : तिरुपति हवाई अड्डे पर नए एकीकृत टर्मिनल भवन का उद्घाटन दिनांक 22 अक्टूबर, 2015 को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आन्ध्र प्रदेश के माननीय राजपाल श्री ई.एस.एल. नरसिम्हन, आन्ध्र प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री नारा चंद्र बाबू नायडू, माननीय केन्द्रीय नागर विमानन मंत्री श्री पी. अशोक गजपति राजू, माननीय केन्द्रीय संसदीय कार्य, शहरी विकास, आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्री श्री एम. वेंकैया नायडू, माननीय संस्कृति एवं पर्यटन केन्द्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) व नागर विमानन राज्य मंत्री डॉ महेश शर्मा, माननीय पर्यावरण एवं वन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सहकारिता मंत्री, आन्ध्र प्रदेश सरकार, श्री बी. गोपाल कृष्ण रेड्डी तथा माननीय संसद सदस्य (लोकसभा) डॉ वारा प्रसादराव वेलगापल्ली की गरिमामयी उपस्थिति में किया जाना निर्धारित है।

तिरुपति हवाई अड्डे पर नए एकीकृत टर्मिनल भवन और कार पार्किंग तथा 02 कोड डी एवं 01 कोड सी प्रकार के विमान के लिए एप्रन, लिंक टैक्सी एवं संबद्ध अवसंरचना का निर्माण लगभग 191 करोड़ रु0 की लागत से किया गया है।

टर्मिनल भवन का डिजाइन करने में उड़ते हुए गरुड़ के स्वरुप से प्रेरणा ली गई है। उड़ते हुए गरुड़ के पंख जिस प्रकार हवा में फैले हुए होते हैं, इसी प्रकार का स्वरुप टर्मिनल भवन को भी दिया गया है। गरुड़ उन भगवान विष्णु (श्री बालाजी) का वाहन है जिनका मंदिर भारत के साथ-साथ विदेश में भी अति लोकप्रिय है। उड़ते हुए गरुड़ के स्वरुप वाले इस टर्मिनल भवन की वजह से धार्मिक तीर्थयात्रा पर आने वाले यात्रियों को तुरंत ही मंदिर वाले इस शहर जुड़ जाने का अनुभव होने लगता है।

इस एकीकृत टर्मिनल भवन में एक साथ 500 अंतर्देशीय एवं 200 अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को संभाल सकने की क्षमता विद्यमान है। इसकी संरचना स्टील एवं शीशे से निर्मित है जिसमें अत्याधुनिक यात्री अनुकूल सुविधाएँ एव सेवाएँ जैसे कि इन लाइन एक्स रे मशीन के अनुकूल डिपार्चर कन्वेयर सिस्टम के साथ एकीकृत बैगेज हैंडलिंग सिस्टम, इन्कलाइन अराइवल बैगेज, क्लेम कराउजल, विजुअल डाकिंग गाइडेंस सिस्टम के साथ पैसेन्जर बोर्डिंग ब्रिज, केन्द्रीय वातानुकूलन, जन संबोधन प्रणाली, फायर अलार्म सिस्टम, उड़ान सूचना प्रदर्शन प्रणाली (एफ आई डी एस) निगरानी के लिए सीसीटीवी, कॉमन यूज़ टर्मिनल इक्यूपमेंट सहित चेक इन कांउटर, कार पार्किंग इत्यादि उपलब्ध हैं।

ग्रिहा की 4 स्टार रेटिंग प्राप्त करने के लिए भवन मे फ्लाई एस ईंटें, लो हीट गेन ग्लास, एलईडी लाइटिंग एवं ऊर्जा दक्ष चिलर्स आदि जैसे पर्यावरण अनुकूल तथा ऊर्जा दक्ष सामग्री का प्रयोग किया जा रहा है।

16500 वर्ग मी0 + 5,500 वर्ग मी0 (बेसमेन्ट) के क्षेत्र मे निर्मित नई टर्मिनल बिल्डिंग की व्यस्ततम समय में 700 यात्रियों को संभालने की क्षमता है। टर्मिनल बिल्डिंग की अन्य प्रमुख विशेषताओ मे शामिल हैः- 18 चेक-इन काउंटर, आप्रवासन काउंटर 4 (प्रस्थान) + 6 (आगमन), कस्टम काउंटर 1 (प्रस्थान) + **4** (आगमन), प्रस्थान क्षेत्र में 1 बैगेज कन्वेयर, बैगेज क्लेम कराउजल 3 (2 घरेलू आगमन +1 अंतरराष्ट्रीय आगमन), वीआईपी लाउंज 2, सीआईपी लाउंज 1, कार पार्किंग 250 कार + 5 बसें, 75 टैक्सी पार्किंग + 25 वी.आई.पी. पार्किंग, पीबीबी 2, एलीवेटर 5, एस्केलेटर 4, एप्रन व सहायक टेक्सी ट्रैक-एयरक्राफ्ट पार्किंग बे 3 (2 कोड-डी टाइप विमानों के लिए + 1 कोड-सी टाईप विमानों के लिए) आदि

जनसम्पर्क निदेशालय द्वारा जारी
विस्तृत जानकारी के लिए संपर्क करें
म.प्र. (जनसंपर्क) 011-24622787, 9810025069,
सं. 53/2015-16